



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 182 ]  
No. 182]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 25, 1983/कार्तिक 3, 1905  
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 25, 1983/KARTIK 3, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

राष्ट्रिय मंत्रालय

भाषा आधार नियंत्रण

सांख्यिक सूचना संख्या : 45—आईटीसी (पीएम) 83

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर 1983

विषय श्रेणी 1983-मार्च 1981 के लिए आयतन निर्धारण नीति

मि० सं० 12 और ई 91/71 ई पी सा०/वा 10 राष्ट्रिय मंत्रालय  
की सांख्यिक सूचना सं० 10-आई टी सी (पी एन) 83 दिनांक  
15 अप्रैल 1983 के अंतर्गत प्रकाशित गया मणोघन अंश 1983-  
मार्च 1981 के लिए आयतन-निर्धारण नीति (जि-द-1) की आर ध्यान  
आकृष्ट किया जाता है।

2 नीति में निम्नलिखित मणोघन नीति संकेतित उपयुक्त स्थान पर  
क्रियण गण समये जाण्य -

क्रम  
सं०  
आयतन-  
निर्धारण  
नीति  
1983-  
91  
(जि-द-1)  
का  
पृष्ठ सं०

1	2	3	4
1	35	संख्या-17 पृष्ठ 65 निर्धारण पृष्ठ-151	वास्तव उद्देश्य (जि) के बाद निर्धारण और उप-पेरा आइ जाण्य। (जि) अर्थव्यवस्था प्रतियोगिता राष्ट्रिय के मध्य भारत में वसुधैव कुटुम्बकम् 100% निर्धारण संयुक्त पृष्ठों द्वारा भारत में परियोजनाओं का की गई संयुक्तियाँ।

1	2	3	1	2	3	1
2	19	अध्याय-17 पजीबत नियमित	यत्नमान पैरा 172 के बाद निम्न विखित और पैरा जाडा जाणगा —			मद्रा क्षेत्र के वैध आयाम/ लाईसेंस रखने वाले केना को लाईसेंस के अन्तर्गत आने वाली और 100 प्रतिशत नियात अभिसूत्र एकर में अतिप्रान्त ना आने वाला प्रस्तावित मद का मुख्य/मात्रा का संबंध रखने हुए और संबंधित रिसेना एकर के नाम का उल्लेख करने हुए संबंधित लाईसेंस पाधिराग में गपक करना चाहिए।
			172-क घरेलू रेफि क्षेत्र में 100 प्रतिशत निर्यात अभिसूत्र एकरों द्वारा माल का विर्या।			लाईसेंस पाधिराग एके आर रता पर रिहाई आदेश जारी करगा जिसमें रि संबंधित 100 प्रतिशत निर्यात अभिसूत्र एकर में प्रति प्रान्त का जा मके और जेगा में समाता हो आयाम नहिसेन के मुख्य/मात्रा का घटाया जा मके और मोध आयाम के निरूपण में अवैध बनाने के लिए आवश्यक सीमा तक नहिसेंस में से विषयाधान मद (परा) का घटाया जा मके।
			(1) उपर्युक्त उप पैरा 172 (5) (ग) में विण गण प्राप्तधाना का ध्यान में रखते हुए मान्यता प्राप्त 100 प्रतिशत निर्यात अभिसूत्र एकरों द्वारा विनिमित मान का वैध सामान्य मद्रा क्षेत्र आयाम लाईसेंस के मदर घरेलू बाजार में ब्रेचने या अनुमति दी जा मकेना है। ऐसी विर्या संबंध एकर द्वारा 1953-54 में रोगत उमा मद के उपारन में 25 प्रतिशत अतिरिक्त नहीं जाना चाहिए।			(1) रिहाई आदेश या प्रतिया में जारी नियम जाणगा। मान का प्रान्त और उगक मुख्य मात्रा के लिए रिहाई आदेश आरक का जान पहचान करने के बाद 100 प्रतिशत नियात अभिसूत्र एकर द्वारा रिहाई आदेश या भूत पति रख जा जाएगा। मदर 100 प्रतिशत निर्यात अभिसूत्र एकर द्वारा निर्यात के पर में यह पर गारथ होगा। निर्यात के अंतरा पर विणल सत्र के रूप में समझे जान आता मृ प कर भुल्य होगा जिसमें विण माल का समग्र पर रिवा जामा * या रिहाई आदेश का मुख्य इनमें आ भा कम ग कर होगा।
			(2) मुख्य नियंत्रक आयाम नियात के कार्यालय नई दिल्ली में निर्यात आयुक्त की पत्र अनुमति में हो बिना प्रमाणा का जाणगा। घरेलू बाजार में आगत माल का ब्रेचने के इच्छुक एकरों का निर्यात आयुक्त से संपर्क करना चाहिए। उस वैध सामान्य मद्रा क्षेत्र आयाम लाईसेंस के मदर घरेलू बाजार में सम्भरित हो जान आता मद को मात्रा और एकर द्वारा 1953-54 के शरत उमा तारखे का उपारित उमा मद का मात्रा हो मा दर्शाना चाहिए। आदेश पत्र सागाशुक्त पाधिराग / अधिकृत और के वद्वाय उत्पाद शुल्क अधिकारों द्वारा नियाति जाना चाहिए। नियात आयुक्त घरेलू बाजार में विर्या का अनुमति प्रदान करने में पत्र उमा वान का सम्पादन करगा वि प्रस्तावित बित्री एकर द्वारा पहले से ही उत्पादित आन्तरिक उत्पादन के 25 प्रतिशत में अधिक नहीं जानी है।			(2) मान का यता उत्पादन शुल्क रिवा पर और एग अन्य कर/शुल्क का संगतान करने के लिए बाध्य होगा जो कि विविधाधान माल पर लगाने जा मकेना है।
			(3) नियात आयुक्त ने अनुमति प्राप्त करने के पश्चात् सामान्य			(3) इस मद्रा में बिना राजस्व विभाग के मतानुष नई दिल्ली द्वारा जारी का गयी अधिसूचना का जन या इस संबंध में समय समय पर उभर

(2) The sale shall be effected only with the prior permission of the Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi. The unit desiring to sell its goods in the domestic market should approach the Export Commissioner. It should also indicate the quantity of the item sought to be supplied in the domestic market against valid General Currency Area import licence, and the total quantity of the same item produced by the unit, as on date during 1983-84. The application should be certified by the officer of the Custom Central Excise in-charge of the bonded area. The Export Commissioner will verify that the proposed sale does not exceed 25% of the actual production already turned out by the unit before allowing sale in the domestic market.

Sl No	Page No of Import Export Policy 1983-84 (Vol-I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1. 38	Chapter 17 Registered Exporters Para 131.		After the existing sub-para (hh), the following further sub-para shall be added : “(hhh) Supplies made by approved 100% export oriented units to the projects in India, against International competitive bidding”.
2. 49	Chapter 17 Registered Exporters		After the existing para 172, the following further para shall be added:-- “172-A. Sale of goods by 100% export oriented units in the domestic tariff area.  (1) Not withstanding the provisions made in sub-para 172(5) (c) above, goods manufactured by approved 100% export oriented unit may

(3) After obtaining permission from the Export Commissioner, the purchaser having valid General Currency Area import licence should approach the licensing authority concerned; indicating the item and the value/quantity, covered by the licence, and proposed to be procured from 100% export oriented units, mentioning the name of the concerned seller unit. The licen-

1	2	3	4	1	2	3	4
			<p>sing authority, upon such request, will issue Release Order to enable supplies being obtained from the concerned 100% export oriented unit and reduce, to that extent, the value quantity of the import licence, as the case may be, and to delete the item(s) in question from the licence to the extent required to make it invalid for direct import.</p> <p>(4) The Release Order will be issued in duplicate. The original of the Release Order shall be retained by the 100% export oriented unit after obtaining the acquittance of the Release Order holder for the receipt of goods and the value/quantity thereof. This will serve as an evidence of export by the concerned 100% export oriented unit. The value to be treated as f.o.b. value of exports will be the value for</p>				<p>which the goods are supplied or the value of the Release Order whichever is lower</p> <p>(5) The purchaser of the goods, shall be liable to pay excise duty, sales tax and such other taxes/duties as may be leviable on the goods in question.</p> <p>(6) The sale shall be subject to the notification as may be issued by the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi in this regard or such other notifications or instructions as may be issued by them from time to time in this regard.</p>
				3. 49	Chapter 17 Registered Exporters Sub-para 173(1).		<p>In the second line, after the word "components", the following shall be inserted: "material handling equipment such as fork lifts, over-head cranes; building construction materials, consumables".</p>

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports